

भोपाल में बनेगा सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कृष्णा गौर ने दी जानकारी

प्रशासनिक संवाददाता भोपाल, 26 दिसंबर. राजधानी में आने वाले दिनों में सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर की स्थापना होगी, इसकी स्थापना के लिये राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेज दिया है. इस सेंटर का नाम पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम होगा, ये प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत बनेगा.

यह जानकारी शुरुवार को पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्रीमती कृष्णा गौर ने पत्रकार वार्ता के दौरान दी. इस दौरान उन्होंने दो वर्ष की उपलब्धियों का ब्यौरा भी दिया. केंद्र को भेजे गये प्रस्ताव के बारे में जानकारी देते हुए श्रीमती गौर ने बताया कि ये प्रस्ताव प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत किया



गया है, जिसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के समन्वय से तैयार किया गया है. इस केंद्र का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को स्पेस टेक्नोलॉजी के प्रति जागरूक, प्रेरित और वैज्ञानिक सोच से जोड़ना है. राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बताया कि प्रस्तावित स्पेस सेंटर में मिसाइल और सैटेलाइट के क्रमिक

विकास के डिजाइनों का प्रदर्शन किया जाएगा. साथ ही अंतरिक्ष के समान जीरो ग्रेविटी वातावरण में स्पेस स्टेशन का सिम्युलेटरी अनुभव देने के लिये विशेष अधासंरचना विकसित की जाएगी, जिससे बच्चे यह देख और महसूस कर सकें कि उपग्रह के भीतर अंतरिक्ष यात्री किस तरह रहते और कार्य करते हैं.

उन्होंने कहा कि यह केंद्र प्रदेश के युवाओं में वैज्ञानिक जिज्ञासा जगाएगा और स्पेस के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उन्हें प्रेरित करेगा. राज्यमंत्री ने कहा कि यह नवाचार उन सभी युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर होगा, जो अंतरिक्ष के प्रति जिज्ञासु हैं और भविष्य में इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं. इसके माध्यम से ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग के शैक्षणिक एवं सामाजिक उन्नयन के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है.

हर वर्ष 4 हजार युवाओं को सेना, पुलिस में भर्ती के लिए देंगे ट्रेनिंग

श्रीमती गौर ने अत्यंत पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए प्रस्तावित शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2025 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत हर वर्ष करीब

600 युवा जाएंगे जापान, जर्मनी

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बताया कि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत साठे सात लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति वितरित की गई है.

विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना को पारदर्शी बनाकर हर वर्ष 50 विद्यार्थियों को लाभ दिया जा रहा है. वहीं बेरोजगार युवाओं को जापान और जर्मनी में रोजगार दिलाने की

पहल की जा रही है. 'सोलर इम्पैक्ट बॉन्ड' के तहत आगामी समय में 600 युवाओं को विदेश भेजा जाएगा, वहीं विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समुदायों के लिए जन अभियान परिषद के माध्यम से विशेष अभियान चलाया जा रहा है, इनकी गणना तीन माह में पूर्ण की जाएगी, जिससे योजनाओं का लाभ लक्षित रूप से पहुंचाया जा सके.

जाएगा. राज्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में ओबीसी छात्रावासों को आदर्श छात्रावासों के रूप में विकसित किया जा रहा है. जिम, वाचनालय, पुस्तकालय, वाई-फाई, कंप्यूटर कक्ष और खेल सुविधाओं से युक्त इन छात्रावासों के उन्नयन पर करीब 16 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं.

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मना वीर बाल दिवस दो कारों की टक्कर में एक की मौत, दो गंभीर घायल

प्रशासनिक संवाददाता भोपाल, 26 दिसंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेनवाल ने वीर बाल दिवस के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में वीर बाल दिवस के अवसर पर साहिबजादे जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम सर्वधर्म सम भाव



को बाल करते हैं और जरूर करनी भी चाहिए, लेकिन हमें यह भी देखना चाहिए कि जो व्यक्ति अपना धर्म छोड़ने और दूसरा धर्म अपनाने से इंकार करता है, उसके साथ क्या हो रहा है? उस पर क्या बीती है? आतताईयों को किसने यह छूट दी? और अगर अपने धर्म की रक्षा के लिए शहादत दी गई है, तो क्यों उसे याद नहीं करना चाहिए? आज वीर बाल दिवस के अवसर पर मैं दोनों साहिबजादों को नमन करता हूँ.

सवार कोलार निवासी 42 वर्षीय अब्दुल रशीद खान की दुर्घटना के दौरान मौत हो गई. मृतक ठेकेदारी का काम करता था. वहीं दूसरी कार में चालक सहित दो युवकों के गंभीररूप से जख्मी हो गए. घायलों को राहगीरों ने तुरंत ही हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है.

अब तक 25.93 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

भोपाल. अभी तक 4 लाख 9 हजार 545 किसानों से 25 लाख 93 हजार 971 मीट्रिक टन धान की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा चुकी है. धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपये प्रति क्विंटल है. धान की खरीदी 20 जनवरी 2026 तक की जायेगी. किसानों को 3529 करोड़ रुपये से अधिक राशि का भुगतान भी किया जा चुका है. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि धान विक्रय के लिये 8 लाख 59 हजार 916 किसानों ने पंजीयन कराया है. एक दिसम्बर से शुरू हुई धान खरीदी के लिये विभिन्न जिलों में 1434 केंद्र बनाये गये हैं.

बैरसिया को स्वच्छता में नंबर 1 लाने सहयोग दें

भोपाल, 26 दिसम्बर. महापौर मालती राय ने स्वच्छ शहर जोड़ी के तहत बैरसिया नगर पालिका को स्वच्छता में नंबर 01 लाने के लिए जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, व्यापारी वर्ग, शासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों को 02 घण्टे का समय देने का आह्वान किया.

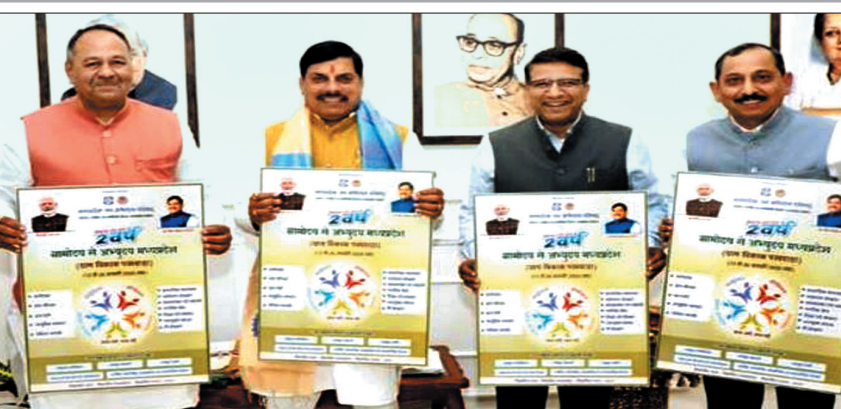


उन्होंने स्वच्छता में नंबर 01 लाने के लिए वाडों, मैरिज गार्डन, स्कूल, कॉलेज आदि में स्वच्छता की प्रतियोगिता आयोजित करने और स्वच्छता में अव्वल आने पर पुरस्कृत करने के निर्देश दिए. महापौर राय ने बाजारों, रेस्टोरेंट आदि में डस्टबिन रखने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने,

सेंट्रल वर्ज की बेहतर साफ-सफाई करने का भी आह्वान किया. इस अवसर पर बैरसिया नगर पालिका की अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप राठौर, पूर्व विधायक भक्तपाल सिंह, एम.आई.सी सदस्य आर.के.सिंह बघेल, पार्षदगण, सी.एम.एच.ओ राजेंद्र सक्सेना, स्कूल संचालकगण, बैंक संचालक,

हॉस्पिटल संचालक, मैरिज गार्डन संचालक, व्यापारीगण, होटल संचालक, रेस्टोरेंट संचालक, फल-सब्जी विक्रेता एवं वरिष्ठ नागरिकगण उपस्थित थे. स्वच्छ शहर जोड़ी के तहत नगर पालिका बैरसिया में नगर निगम, भोपाल द्वारा बैरसिया नगर पालिका को स्वच्छता में अव्वल बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं. महापौर मालती राय के मुख्य आतिथ्य में शुकुवार को बैरसिया नगर पालिका में नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षदगण, व्यापारीगण, मैरिज गार्डन, स्कूल संचालक, बैंक, शासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों की एक कार्यशाला आयोजित की गई.

महापौर श्रीमती राय ने कहा कि 15, 16 एवं 17 जनवरी 2026 को भोपाल नगर निगम से टीम बैरसिया आयेगी और स्वच्छता में किए गए कार्यों के लिए चयन करेगी तथा 20 जनवरी 2026 को स्वच्छता में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा. महापौर राय ने बाजार, रेस्टोरेंट में डस्टबिन रखने और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने के निर्देश दिए. महापौर ने बैरसिया नगर पालिका में सेंट्रल वर्ज की बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए.



सीएम ने किया पोस्टर का विमोचन

भोपाल. मप्र जन अभियान परिषद स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती 12 जनवरी से गणतंत्र दिवस 2026 तक ग्रामोदय से अभ्युदय मप्र अभियान के तहत ग्राम विकास पखवाड़ा आयोजित कर रहा है. इस अभियान के पोस्टर का विमोचन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समतल भवन में किया. इस अवसर पर परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर एवं कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड सहित योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ल भी उपस्थित रहे. अभियान का उद्देश्य परिषद की नवांकर संस्थाओं एवं प्रसफुटन समितियों के माध्यम से सरकार के विभिन्न विभागों की दो वर्ष की उपलब्धियों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों तक पहुंचाकर यह सुनिश्चित करना है कि योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ अंतिम पात्र हितग्राही तक पहुंचे.

बैठक मिशन मोड में सुधारों पर जोर

मंत्री नड्डा ने एमपी की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की

भोपाल, 26 दिसंबर. केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने चर्च में मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री (लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा) राजेन्द्र शुक्ल तथा राष्ट्रिय अधिकारियों के साथ राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।



क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने दवा नियमन को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए निर्देश दिए कि

निर्माण से लेकर वितरण तक पूरी आपूर्ति श्रृंखला की सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए, जिससे दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा बनी रहे। उन्होंने फी

नड्डा ने टेलीमैडिसिन को दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताते हुए इसे नियमित स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में और अधिक एकीकृत करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने टीबी मूक भारत 2027 के लक्ष्य को दोहराते हुए जिना-विशेष रणनीतियों, सधन स्क्रीनिंग, बेहतर उपचार अनुपालन और पोषण सहयोग पर बल दिया। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आभार प्रदर्शित किया कि मध्यप्रदेश सरकार केंद्र के मार्गदर्शन में दवा नियमन, डायग्नोस्टिक्स सुदृढीकरण, टेलीमैडिसिन विस्तार और टीबी उन्मूलन के लक्ष्यों को मिशन मोड में लागू करेगी। बैठक में केंद्र और राज्य स्तर के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ड्रग्स और फो डायग्नोस्टिक्स योजनाओं की समीक्षा करते हुए आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने और निगरानी में मौजूद कमियों को दूर करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण

डायग्नोस्टिक्स और समय पर जांच प्रभावी स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं, जिन्हें प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक स्तर पर और सशक्त किया जाना चाहिए।